घाटशिला में आयोजित ग्रामसभा दिवस पर गुजरात के पूर्व सांसद अमर सिंह बोले

न लोस, न विस, पहले ग्रामसभा

सभा को संबोधित करते गुजरात के पूर्व सांसद अमर सिंह, ग्रामसभा के दौरान उपस्थित स्थानीय लोग एवं दिल्ली से आयीं युवती का स्वागत करतीं स्थानीय युवतियां।

खबर मन्त्र रिपोर्टर

घाटशिला। घाटशिला में मांझी परगना महाल भवन की ओर से 18वां ग्रामसभा दिवस कीताडीह मैदान में मनाया गया जिसमें कई राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गुजरात के पूर्व सांसद अमर सिंह चौधरी उपस्थित थे। उद्घाटन सिदो कान्हू को माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि ने मौजूद आदिवासी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुये कहा कि संथाली भाषा से मैं इतना प्रभावित हूं कि मुझे किसी भी हाल में सिखना हैं। उन्होंने कहा कि जल जंगल पर आदिवासी का हक होते हुये भी हमारे खनिजों को लूटा जा रहा हैं। हमें इसे रोकने के लिये एकजुट होने कि जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि व्यवस्था और कितने सिदो कान्हू की बलिदान लेगी। अपने संपदा की रक्षा के लिये हम बलिदान देनें के लिये भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जिंदल के दो प्रोजोक्टों पर रोक लगी हैं। यह आंदोलन का ही फल हैं। उन्होंने कहा कि हमें मालिक का हक मिला हैं फिर भी सरकार हमें गुलाम रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि आज एकजुट होकर हमें अपने अधिकार के प्रति जागरूक होना होगा। नहीं मानते हैं तो सड़क पर सत्याग्रह किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पेसा कानून के अध्यक्ष दिलीप सिंह भुरिया शामिल होने वाले थे लेकिन किसी कारण वे नहीं आ सके लेकिन उन्होंने अपना संदेश फोन पर लोगों को दिया। उन्होंने कहा कि यह कानून आदिवासियों को संगठित करने के लिये बना हैं। जल-जंगल जमीन पर हमारा अधिकार हैं। सब जागरूक हो आदिवासी के बच्चे भी पढ़े शिक्षित होकर समाज का नाम रौशन करें। महिलाओं व युवतियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कल्पना हांसदा ग्रुप ने अपने गीतों से लोगों को झुमाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता देश परगना बैजू मुर्मू ने किया।

कार्यक्रम की देखरेख व स्वागत देश विचार सचिव बहादुर सोरेन ने किया। इस दौरान स्थानीय विधायक रामदास सोरेन, माइंस मिनरल पिपुल्स के चेयरमेन आर श्रीरधर मूर्ति, वनिता श्रीधर, आदिवासी एकता मंच गुजरात के अशोक चौधरी, कुमार चन्द्र मार्डी, गीतांजलि श्रीधर, संजल कुमार, रीता कुमारी, संतोष कुमार उपाध्याय, निकोलेस वारला, प्रताप श्रीधर, जानकी श्रीधर, सुधीर सोरेन व अन्य उपस्थित थे।

हर सरकार ने कानून को टुकडों मे बांटा : आर मूर्ति

ग्राम स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माइंस मिनरल पिपल के चैयरमेन आर श्रीधर मूर्ति ने लोगो को संबोधत करते हुये कहा कि आदिवासी मूलवासी के छिने गये हक को देने के लिये कानून बनाया गया था ताकि जल -जंगल जमीन पर हमारा अधिकार हो लेकिन हर सरकार ने इसे टुकड़ो में बांटने का काम किया है। वन अधिकार कानून के तहत जंगल वहां के मूलवासी आदिवासी के पास होता है लेकिन इसे सरकार ने विभाग के माध्यम से छिनने व टुकड़ों में बांटने का काम किया हैं। आज उनका अधिकार उनसे ही छिना जा रहा है। लेकिन हम ये होने नहीं देंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हिमाचल व उतराखंड के आदिवासी वर्ग सरकार से किभी प्रकार कि विकास कि मांग नहीं करता हैं। वे अपने नीति और खुद के बनाये हुये सिद्धांत पर चलता हैं। आज हमें भी अपने ही बनाये हुये नीति पर चलना हैं। खुद का विकास स्वयं करना हैं। अपनी नीति से देश में एक अच्छे निर्णायक के रूप में सामने उभर कर आना हैं और देश के समक्ष इस नीति के तहत ही जल जंगल-जमीन की रक्षा करना हैं।

26° अधिकतम | 14° न्यूनतम | सूर्योदयः 06.23 सूर्यास्तः 17:08

रंगारंग कार्यक्रमों के बीच शहर से गांव तक मना ग्राम सभा स्थापना दिवस, कई राज्यों के प्रतिनिधियों ने लिया समारोह में हिस्सा, बोले वक्ता

लोग जागरूक होंगे, तभी ग्रामसभा का उद्देश्य होगा सफल

घाटशिला | निज संवाददाता

ग्राम सभा के स्थापना दिवस को लेकर मंगलवार को शहर से गांव तक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम सिदो-कान्हू हुलगड़िया मैदान फुलपाल में हुआ। अतिथियों द्वारा सिदो-कान्हू की शहीद वेदी पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

इसमें स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सासंद अमर सिंह चौधरी ने कहा कि भारत गांवों का देश है और देश की सारी शक्तियां गांवों में ही निहित हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में आज के ही दिन ग्राम सभा को अधिकार दिया गया था। 18 साल के कार्यकाल में ग्राम सभा की शक्तियों मे काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि लोग अधिकारों के प्रति सचेत नहीं हो पा रहे हैं। बिहार से आए संतोष उपाध्याय ने कहा कि ग्राम सभा से बड़ा कोई नही है, क्योंकि देश के विकास का खांचा गांव से ही गढ़ा जाता है। उन्होंने कहा कि विकास के मामले यह राज्य काफी आगे बढ़ सकता है। जरूरत है कि लोग अपने अधिकारों को जानकर इस्तेमाल करें।

उपाध्याय ने कहा कि ग्राम सभा की जानकारी के लिए लोग अधिक से अधिक प्रचार कर शिलालेख लगाएं। साथ ही उसपर अधिकारों के संबंध में जानकारी भी लिखें। देश परगना बैजु मुर्मू ने कहा कि ग्राम सभा के अधिकारो को लेकर शहीदों ने काफी संघर्ष किया। लोग संकल्प लें कि वे इस अधिकार का विस्तार हर घर तक करेंगे। समारोह को श्रीधर राम मुर्ती, अशोक श्रीधर, विनिता श्रीधर, केवी प्रताप, अशोक चौधरी, प्रवीण पटेल, युएन मांझी, कुमार चन्द्र मार्डी, स्वराज दास, रामचन्द्र मुर्मू, सुधीर सोरेन, महावीर मुर्मू आदि ने संबोधित किया। समारोह का संचालन बहादुर सोरेन ने किया।

सिदो-कान्हू हुलगड़िया मैदान फुलपाल में मंगलवार को शहीद वेदी के समक्ष नारा लगाते विभिन्न राज्यों से आए अतिथि और (दाएं) समारोह के दौरान नृत्य प्रस्तुत करतीं युवतियां। • हिन्दुस्तान

चेंगजोड़ा गांव में शिलालेख के समक्ष पूजा करते लोग। • हिन्दुस्तान

आयोजन

- समारोह के दौरान अतिथियों ने दी सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि
- लोगों को अपने अधिकारों के बारे में जानने को प्रेरित किया
- गांवों में शिलालेख लगाकर जानकारी देने पर जोर
- लोगों ने घर-घर तक अधिकारों की बात पहुंचाने का लिया संकल्प

गांवों में भी रही धूम

घाटशिला। ग्राम सभा का स्थापना दिवस गांवों में भी मनाया गया। इसको लेकर चेंगजोड़ा गांव में मंगलवार को कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान सह नायके ने गांव के अंतिम किनारे पर स्थित शिलालेख के समक्ष पूजा अर्चना की। साथ ही महिलाओ ने गीत भी गाए। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही गांव के लोगों के लिए भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुनाराम मुर्मू ने कहा कि गांव के लोग इस दिवस को उत्साहपूर्वक मनाते हैं, क्योंकि आदिवासी समाज को आज ही के दिन एक नया जीवन मिला था। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को अधिकार तो सरकार की ओर से दे दी गई, लेकिन अफसोस की बात है कि अधिकतर लोग इस संबंध में जानते ही नही हैं। मौके पर राम किशोर मुर्मू, लखन मुर्मू, शांखो मुर्मू, ईश्वर हांसदा, जुझार सोरेन, सुनाराम हांसदा, साल्खो मुर्मू, फुलमनी मुर्मू, देवयानी मुर्मू, पियो मुर्मू, जासमीन सोरेन समेत कई लोग उपस्थित थे।

ग्राम सभा का 18वां स्थापना दिवस . कीताडीह सिद्धो-कान्हू हुल गारिया डाही परिसर में जन सभा

लोस न विस, सबसे बड़ी ग्राम सभा : भूरिया

बतौर मुख्य अतिथि पेसा एक्ट सिफारिश नयी दिल्ली के अध्यक्ष दिलीप सिंह भूरिया ने मोबाइल पर दिया संदेश

संवाददाता, घाटशिला

घाटशिला के कीताडीह सिदो कान्हू हुल गारिया डाही परिसर में माझी परगना महाल के तत्वावधान में देश परगना बैजू मुर्मू की अध्यक्षता में ग्राम सभा के 18 वें स्थापना दिवस के मौके पर जन सभा आयोजित हुई. बतौर मुख्य अतिथि पेशा एक्ट सिफारिश नयी दिल्ली के अध्यक्ष दिलीप सिंह भूरिया ने मोबाइल पर अपना संदेश देते हुए कहा कि लोक सभा और विधान सभा से बड़ी ग्राम सभा है, इसलिए ग्राम सभा को महत्व देने की जरूरत है.

उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन के लिए आदिवासियों में चेतना जगाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि पेशा के तहत आदिवासियों को उनकी जमीन पर हक देने की जरूरत है. जंगल और पहाड़ों में रहने वाले गरीब आदिवासी जब तक संगठित नहीं होंगे, तब उन्हें जल, जंगल और जमीन पर हक नहीं मिलेगा. उन्होंने कहा कि आदिवासियों और मूलवासियों के बच्चे- बच्चियां पढ़ाई कर चिकित्सक और इंजीनियर बनें, तभी इस जाति को ताकत मिलेगी. उन्होंने कहा कि ताकत और एकता से ही कोई भी लड़ाई लड़ी जाती है और उसमें जीत हासिल होती है. जन सभा से पूर्व सिद्धो-कान्हू की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. सभा से पूर्व अतिथियों व वक्ताओं को पगड़ी पहना सम्मानित किया गया.

जन सभा में बोलते वक्ता तथा मौके पर उपस्थित भीड़. ■ फोटो। प्रभात खबर

ग्राम सभा सबसे ऊंची : सोमाजी भाई दामोर

गुजरात के पूर्व मंत्री सह अखिल भारतीय आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष सोमाजी भाई दामोर ने मोबाइल पर अपना संदेश देते हुए कहा कि ग्राम सभा सर्वोपरी है, परंतु आज कल के अफसर ग्राम सभा को मान्यता नहीं देते हैं. ग्राम सभा को प्राथमिकता नहीं मिलने के कारण आज तक गांवों का विकास नहीं हुआ. जल, जंगल और जमीन का मालिकाना हक आदिवासियों को नहीं मिल पाया है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों को हक दिलाने के लिए संगठित होने की जरूरत है.

इन्होंने संबोधित किया

जन सभा को माइंस मिनरल पीपुल्स के अध्यक्ष आर श्रीधर मूर्ति, छत्तीसगढ़-बिलासपुर से आये प्रवीण पटेल, निकोलस बारला, गुजरात के पूर्व सांसद अमर सिंह चौधरी, आदिवासी एकता मंच गुजरात के अशोक चौधरी, तेलगांना के प्रताप, जल, जंगल, जमीन एकता समिति दुमका की मुन्नी हांसदा, गुजरात के अशोक श्रीमाली, सजन कुमार, जन चेतना छत्तीसगढ़ की रीतां कुमारी, ओड़िशा के मिस्टर डमेन, बिहार के संतष कुमार उपाध्याय, दिल्ली की जानकी श्रीधर, गीतांजली श्रीधर, विधायक रामदास सोरेन ने भी संबोधित किया. स्वागत भाषण महाल के प्रखंड अध्यक्ष बहादुर सोरेन ने दिया. संचालन कुंवर चंद्र मार्डी ने दिया. जन सभा के मौके पर संथाली गायिका कल्पना हांसदा ने गीत प्रस्तुत किया. स्थानीय युवतियों ने इस मौके पर पूर्व मंत्री यदुनाथ बास्के, धाड़ दिशोम माझी परगना महाल के केंद्रीय महासचिव रामचंद्र मुर्मू, सुधीर सोरेन, बाघराय मार्डी, बनीता श्रीधर, सुखलाल हेंब्रम, रामचंद्र मुर्मू, शांखो मुर्मू समेत बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं मौजूद थे.

झारखंड खनिज संपदा की मची लूट: अमर

संवाददाता, घाटशिला

ग्राम सभा स्थापना दिवस में गुजरात के पूर्व सांसद अमर सिंह चौधरी ने कहा कि झारखंड की संपत्ति लूटी जा रही है.

इसके लिए आदिवासियों को एक होने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि इस राज्य को विकसित करने के लिए कितने सिद्धो-कान्हू और बिरसा मुंडा को बलिदान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि ट्रकों पर लाद कर खनिज संपदाओं को ले जाया जा रहा है. इसे रोकने के लिए सड़क पर सत्याग्रह करने की जरूरत है, तभी गांव और धरती की संपदा बचेगी.

ग्राम सभा के वक्ता.

प्रजातंत्र में जनता ही सर्वोपरि है : अशोक चौधरी

अशोक चौधरी ने कहा कि शक्तिशाली लोगों को सत्ता, पैसे और बाहुबल मिल जाते हैं. गरीब समूहों के लिए कोई नहीं मिलता है, इसलिए प्रजातंत्र में लोग ही सर्वोपरी है, इसलिए लोगों की बात सुनने की जरूरत है.

एमएमपी स्ट्रगल कर रहा है : प्रताप

तेलंगाना के प्रताप ने कहा कि एमएमपी के लोग स्ट्रगल कर रहे हैं. ग्राम सभा अपने आप में बड़ी संस्था है, इसलिए ग्राम सभा को मिले अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए. जिले के उपायुक्त ग्राम सभा की बातों को समझें, तभी ग्राम सभा को पूर्ण रूप से अधिकार मिलेगा.

ग्राम सभा की बात मानी जाये : मुन्नी हांसदा

दुमका के काठीकुंड से आयी जंगल, जंगल, जमीन रक्षा समिति की मुन्नी हांसदा ने कहा कि ग्राम सभा की बातों को मानी जाय. एमएमपी के लोग ग्राम सभा को अधिकार दिलाने की मांग कर रहे हैं, परंतु ग्राम सभा को अधिकार नहीं मिल रहा है.

लड़ाई में हम देंगे साथ : प्रवीण पटेल

प्रवीण पटेल ने कहा कि ग्राम सभा को अधिकार दिलाने के लिए जैसी लड़ी जायेगी. उस लड़ाई में हम साथ देंगे. उन्होंने कहा कि पेशा कानून का पालन नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा कि वह भारत का भ्रमण कर चुके हैं, परंतु घाटशिला जैसी सड़क कहीं नहीं देखी. सड़क के लिए मुख्यमंत्री, विधायक और यहां के मुखिया क्या कर रहे हैं.

सरकार घाटशिला से चलेगी : अशोक श्रीमाली

अशोक श्रीमाली ने कहा कि ग्राम सभा को अधिकार देने से दिल्ली से नहीं घाटशिला से सरकार चलेगी. उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को अधिकार देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि एमएमपी जनता के लिए लगातार बेहतर काम कर रही है.